(b) and (c) Works pertaining to raising/extension of platforms; provision/extension of platforms sheds, waiting halls retiring rooms and foot-over-bridges; provision/augmentation of water supply arrangements, water coolers, booking arrangements, seating arrangements, toilet facilities, provision/improvement to lighting, fans and circulating area, improvements to station buildings, etc. were taken up at various stations in the year 1992-93 and 1993-94 at a cost of Rs. 31.23 crores and Rs. 67.46 crores, respectively. Similar works have been taken up in this year and would also be taken up in future at stations where such improvements are warranted by the requirements of passenger traffic subject to availability of funds and relative priorities

Wagon orders to BEML, Bangalore

202. SHRI G. Y. KRISHNAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether following the dwindling orders from Government the Bharat Earth Movers Ltd. BEML is planning to offer golden handshake to its 1,500 employees at its Bangalore rail coach Plant

(b) whether Government have assured the BEML that government would place some orders for coaches with it;

(c) if so, the number of coaches for which orders had been placed with the BEML; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) No such scheme is in existence as on date

(b) to (d) In view of the reduced requirement of coaches and in-house manufacturing capacity of Railways' own Production Units, the position would be considered and the possibility of giving them some orders would be examined

सड़क और रेल परिवहन व्यवस्था के बीच तालमेल

203. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :** क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे बोर्ड के चेयरमैन ने जनता को बेहतर और अधिक सक्षम सेवायें प्रदान करने हेतु सड़क तथा रेल परिवहन व्यवस्था के बीच बेहतर तालमेल बैठाने का अनुरोध किया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या रेल-सेवाओं में विभिन्न सुधारों पर चर्चा करने हेतु नई दिल्ली में, प्रबंधन और नीति अध्ययन पर, कोई गोष्ठी आयोजित की गई थी;

(ग) यदि हां, तो गोष्ठी में हुई चर्चा का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इसके क्या निष्कर्ष निकले ?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफ़र शरीफ़) : (क) और (ख) जनवरी, 1994 में नई दिल्ली में रेलों की अन्तर्राष्ट्रीय यूनियन के तत्वाधान में एक अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया गया था । इसका मुख्य विषय था "राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में रेलों का महत्व" इस गोष्ठी के दौरान अध्यक्ष रेलवे बोर्ड ने अपने मुख्य भाषण में कुछ उपायों के रूप में कुशलता ग्राहक सेवा में सुधार और परिसंपत्तियों के इष्टतम उपयोग के लिए सड़क और रेल परिवहन के बीच बेहतर तालमेल पर बल दिया ।

(ग) इस अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी में विचार-विमर्श के दौरान राष्ट्रों की अर्थ-व्यवस्था में रेलों के महत्व पर प्रकाश डाला गया । रेलों के निष्पादन में सुधार करने के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई । परिवहन सेवाओं में सुधार करने के लिए परिवहन के विभिन्न साधनों के बीच सहयोग, एक मुख्य उपाय समझा गया ।

(घ) गोष्ठी में व्यापार के तौर तरीकों में परिवर्तन, विश्वव्यापीकरण और सरकार से वित्तीय सहायता में साम [illegible]